कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कप्पतगुड्डा वन्यजीव अभयारण्य के विस्तार का निर्देश दिया

चर्चा में क्यों?

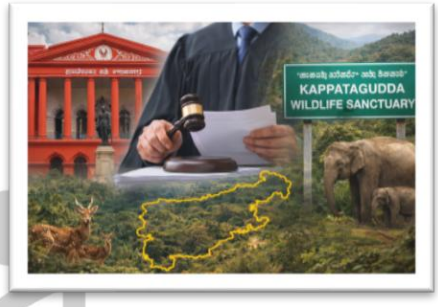

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कर्नाटक सरकार को कप्पतगुड्डा वन्यजीव अभयारण्य में शेष 55 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र को शामिल करने के लिए एक नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि 2019 में कर्नाटक राज्य वन्यजीव बोर्ड द्वारा पूरे 300 वर्ग किलोमीटर के कप्पतगुड्डा आरक्षित वन को वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने की सिफारिश की गई थी।

खबर के बारे में अधिक जानकारी

- जनवरी 2019 में, कर्नाटक राज्य वन्यजीव बोर्ड ने सर्वसम्मति से 300 वर्ग किलोमीटर के कप्पतगुड्डा आरक्षित वन को वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने का संकल्प लिया था।
- हालाँकि, 16 मई 2019 को जारी सरकारी अधिसूचना में केवल 244.15 वर्ग किलोमीटर को ही वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया।
- लगभग 55 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र छूट गया था, जिससे कानूनी चुनौतियां पैदा हुईं।
- पत्थर तोड़ने वाले उद्योग के कई संचालकों ने अभयारण्य की अधिसूचना को चुनौती देते हुए याचिकाएं दायर कीं क्योंकि उनकी जमीनें अभयारण्य के आसपास के **पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र** (ESZ) में आती हैं।
- उन्होंने तर्क दिया कि अभयारण्य के विस्तार से उनकी खनन और पत्थर तोड़ने की गतिविधियों पर प्रतिबंध लग जाएगा।
- उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया और माना कि वन्यजीव बोर्ड के निर्णय के विपरीत अभयारण्य क्षेत्र को कम करना मनमाना था।
- इसलिए, अदालत ने राज्य सरकार को शेष 55 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को शामिल करते हुए एक अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया, जिससे अभयारण्य का विस्तार मूल रूप से प्रस्तावित 300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के करीब हो सके।

कप्पतगुड्डा वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

कप्पतगुड्डा वन्यजीव अभयारण्य कर्नाटक के **गदग जिले** में स्थित है।

मुख्य विशेषताएं

- इसमें मुख्य रूप से शुष्क पर्णपाती वन (dry deciduous forests) और पथरीली पहाड़ी श्रृंखलाएं शामिल हैं।
- यह क्षेत्र उत्तरी कर्नाटक में समृद्ध जैव विविधता और पारिस्थितिक महत्व के लिए जाना जाता है।

महत्वपूर्ण वन्यजीव यह अभयारण्य कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करता है जैसे:

- तेंदुए (Leopards)
- सुस्त भालू (Sloth bears)
- लकड़बग्घा (Hyenas)
- विभिन्न पक्षी प्रजातियां और सरीसृप (reptiles)

पारिस्थितिक महत्व

- अर्ध-शुष्क दक्कन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वन्यजीव आवास के रूप में कार्य करता है।
- क्षेत्रीय जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।
- स्थानिक वनस्पतियों और जीवों (endemic flora and fauna) के संरक्षण का समर्थन करता है।

पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (Eco-Sensitive Zone - ESZ) के बारे में

पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र संरक्षित क्षेत्रों के आसपास के **बफर क्षेत्र** होते हैं जैसे:

- राष्ट्रीय उद्यान (National Parks)
- वन्यजीव अभयारण्य (Wildlife Sanctuaries)
- टाइगर रिजर्व (Tiger Reserves)
- इन्हें **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986** के तहत अधिसूचित किया जाता है।

IAS-PCS Institute
Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

ESZ का उद्देश्य

- संरक्षित क्षेत्रों पर मानवीय दबाव को कम करना।
- वन्यजीव आवासों और मानव बस्तियों के बीच एक संक्रमण क्षेत्र (transition zone) के रूप में कार्य करना।
- संरक्षित क्षेत्रों के आसपास सतत विकास (sustainable development) को बढ़ावा देना।

ESZ में गतिविधियाँ गतिविधियों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है:

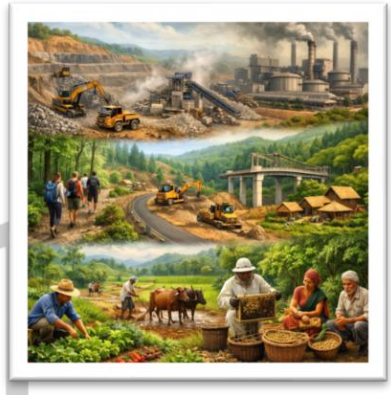

1. **प्रतिबंधित गतिविधियाँ (Prohibited):** खनन, पत्थर तोड़ना (stone crushing), बड़े पैमाने पर औद्योगिक गतिविधियाँ।
2. **विनियमित गतिविधियाँ (Regulated):** पर्यटन, निर्माण, बुनियादी ढांचा विकास।
3. **अनुमत गतिविधियाँ (Permitted):** कृषि, जैविक खेती, स्थानीय समुदाय की आजीविका गतिविधियाँ।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

Q1. भारत में पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों (ESZs) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों जैसे संरक्षित क्षेत्रों के चारों ओर बनाए गए बफर क्षेत्र हैं।
2. इन्हें पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के तहत अधिसूचित किया जाता है।
3. पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों के भीतर सभी विकासात्मक गतिविधियाँ पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2 B. केवल 2 और 3 C. केवल 1 और 3 D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

IAS-PCS Institute
Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

Q2. कप्पतगुड्डा वन्यजीव अभयारण्य के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह कर्नाटक राज्य में स्थित है।
2. इस अभयारण्य में मुख्य रूप से शुष्क पर्णपाती वन और पथरीली पहाड़ी श्रृंखलाएं शामिल हैं।
3. यह हिमालयी जैव विविधता हॉटस्पॉट (Himalayan biodiversity hotspot) में स्थित है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?

IAS-PCS Institute

A. केवल 1 और 2 B. केवल 2 और 3 C. केवल 1 D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806